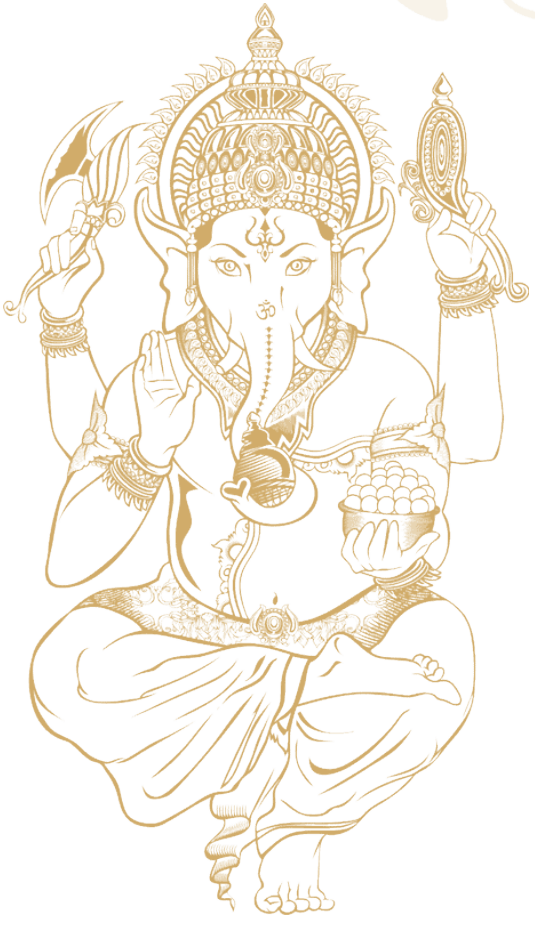

Dushyant

28 Apr 2011

10:40 PM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120283002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/04/2011**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**22:40:00 घंटे**
इष्ट	41:33:14 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:05:08 घंटे
वेलान्तर	00:02:26 घंटे
साम्पातिक काल	12:30:26 घंटे
सूर्योदय	06:02:42 घंटे
सूर्यास्त	19:02:35 घंटे
दिनमान	12:59:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	14:03:15 मेष
लग्न के अंश	02:29:01 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ऐन्द्र
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सो-सोमनाथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:29:01	327:12:53	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	14:03:15	00:58:21	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	23:56:19	11:51:24	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मीन	26:26:33	00:45:47	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
बुध			मीन	20:00:15	00:25:09	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	नीच राशि
गुरु			मीन	27:44:31	00:14:12	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मीन	15:06:43	01:12:41	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि	व		कन्या	18:02:24	00:03:56	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		धनु	02:03:15	00:03:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	02:03:15	00:03:11	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	नीच राशि
हर्ष			मीन	08:35:54	00:02:56	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
नेप			कुंभ	06:34:01	00:01:08	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
प्लूटो	व		धनु	13:23:32	00:00:35	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	14:16:10	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:11

लग्न-चलित

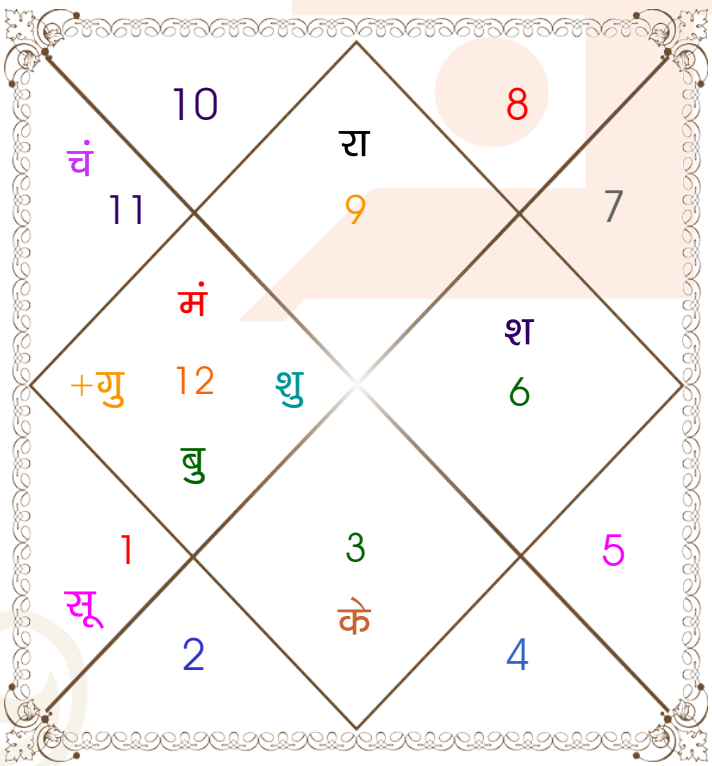

चन्द्र कुंडली

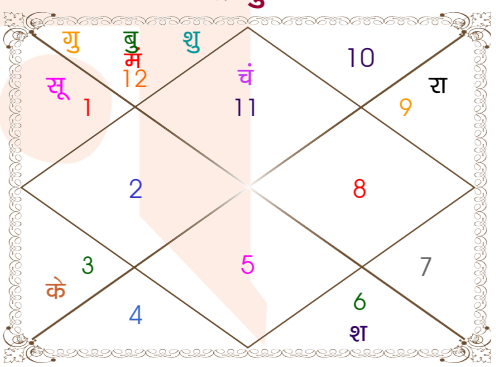

नवमांश कुंडली

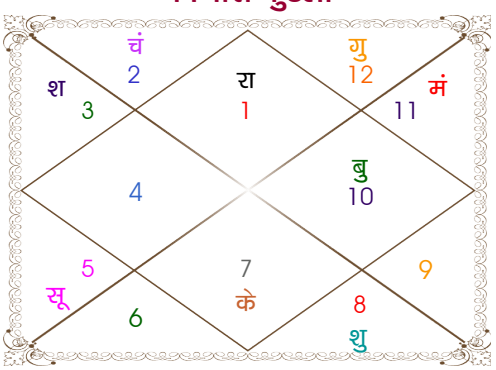

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 11 वर्ष 3 मास 8 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/04/2011		06/08/2022		06/08/2041		06/08/2058		06/08/2065	
06/08/2022		06/08/2041		06/08/2058		06/08/2065		06/08/2085	
	00/00/0000	शनि	09/08/2025	बुध	03/01/2044	केतु	02/01/2059	शुक्र	05/12/2068
	28/04/2011	बुध	18/04/2028	केतु	30/12/2044	शुक्र	03/03/2060	सूर्य	06/12/2069
बुध	13/07/2013	केतु	28/05/2029	शुक्र	31/10/2047	सूर्य	09/07/2060	चंद्र	06/08/2071
केतु	18/06/2014	शुक्र	28/07/2032	सूर्य	05/09/2048	चंद्र	07/02/2061	मंगल	06/10/2072
शुक्र	16/02/2017	सूर्य	09/07/2033	चंद्र	05/02/2050	मंगल	06/07/2061	राहु	06/10/2075
सूर्य	06/12/2017	चंद्र	08/02/2035	मंगल	02/02/2051	राहु	25/07/2062	गुरु	06/06/2078
चंद्र	07/04/2019	मंगल	19/03/2036	राहु	21/08/2053	गुरु	01/07/2063	शनि	06/08/2081
मंगल	13/03/2020	राहु	24/01/2039	गुरु	27/11/2055	शनि	09/08/2064	बुध	06/06/2084
राहु	06/08/2022	गुरु	06/08/2041	शनि	06/08/2058	बुध	06/08/2065	केतु	06/08/2085

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/08/2085		06/08/2091		07/08/2101		07/08/2108		07/08/2126	
06/08/2091		07/08/2101		07/08/2108		07/08/2126		00/00/0000	
सूर्य	23/11/2085	चंद्र	06/06/2092	मंगल	03/01/2102	राहु	20/04/2111	गुरु	24/09/2128
चंद्र	25/05/2086	मंगल	05/01/2093	राहु	22/01/2103	गुरु	12/09/2113	शनि	08/04/2131
मंगल	30/09/2086	राहु	07/07/2094	गुरु	28/12/2103	शनि	19/07/2116	बुध	29/04/2131
राहु	25/08/2087	गुरु	06/11/2095	शनि	05/02/2105	बुध	06/02/2119		00/00/0000
गुरु	12/06/2088	शनि	06/06/2097	बुध	02/02/2106	केतु	24/02/2120		00/00/0000
शनि	25/05/2089	बुध	05/11/2098	केतु	02/07/2106	शुक्र	24/02/2123		00/00/0000
बुध	31/03/2090	केतु	07/06/2099	शुक्र	01/09/2107	सूर्य	19/01/2124		00/00/0000
केतु	06/08/2090	शुक्र	05/02/2101	सूर्य	07/01/2108	चंद्र	20/07/2125		00/00/0000
शुक्र	06/08/2091	सूर्य	07/08/2101	चंद्र	07/08/2108	मंगल	07/08/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 11 वर्ष 3 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।